UP Board Class 12 Hindi - 301 (HC) - 2025

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :80	Total Questions :18

सामान्य निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **18 प्रश्न** हैं । **सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।**
2. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – **खंड अ** और **खंड ब ।**
3. **खंड अ** में उपप्रश्न सहित **45 लघुउत्तर प्रश्न** पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल **40 प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**
4. **खंड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, **अंतर्निर्देश विकल्प भी दिए गए हैं ।**
5. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।
6. **यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।**

Q1. Choose the correct option to answer the following questions :

(i) कनक लाल मिश्र 'प्रबाकर' का जन्म हुआ था :

(A) 1806 ई. में
(B) 1907 ई. में
(C) 1906 ई. में
(D) 1920 ई. में

Correct Answer : (C) 1906 ई. में

Solution : Step 1 : Understanding the question.
कनक लाल मिश्र का जन्म 1906 ई. में हुआ था । उनका योगदान हिंदी साहित्य में विशेष रूप से 'प्रबाकर' पत्रिका के माध्यम से रहा है ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (C) 1906 ई. है, क्योंकि उनका जन्म इसी वर्ष हुआ था ।

Final Answer :

The correct answer is (C) 1906 ई. में.

Quick Tip

When studying literary figures, remember to check the publication year and other historical references related to their works.

(ii) 'बापारा' पंजाबी-संस्कार के लेखक हैं :

(A) हरिप्रसाद द्विवेदी
(B) डॉ. बादरूपरन आंगल
(C) रामकृष्ण पुल्ल
(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (D) इनमें से कोई नहीं

Solution : Step 1 : Understanding 'बापारा'.
'बापारा' पंजाबी-संस्कार के लेखक नहीं हैं । यह सवाल पंजाबी साहित्य के संदर्भ में है और इसका उत्तर सही विकल्प (D) है, क्योंकि 'बापारा' के लेखक का उल्लेख सही विकल्पों में नहीं किया गया है ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (D) है क्योंकि 'बापारा' पंजाबी-संस्कार के लेखक नहीं हैं ।

Final Answer :

The correct answer is (D) इनमें से कोई नहीं.

Quick Tip

For historical and literary questions, ensure you check the correct sources and verified facts.

(iii) गीता कुमार मापू का जन्म हुआ था :

(A) 1909 ई. में
(B) 1917 ई. में
(C) 1919 ई. में
(D) 1924 ई. में

Correct Answer : (B) 1917 ई. में

Solution : Step 1 : Understanding the question.
गीता कुमार मापू का जन्म 1917 ई. में हुआ था । वह भारतीय साहित्य में प्रमुख लेखिका हैं, और उनकी रचनाएँ भारतीय समाज और संस्कृति से जुड़ी हुई हैं ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (B) 1917 ई. है, क्योंकि उनका जन्म इसी वर्ष हुआ था ।

Final Answer :

The correct answer is (B) 1917 ई. में.

> **Quick Tip**
>
> When studying authors, ensure you note key facts such as their year of birth and major contributions to literature.

(iv) हरिप्रसाद द्विवेदी का जन्म किस दिन और month में हुआ था ?

(A) इलाहाबाद,
(B) देवरिया,
(C) गाज़ीपुर,
(D) प्रतापगढ़

Correct Answer : (C) गाज़ीपुर

Solution : Step 1 : Understanding the context.
हरिप्रसाद द्विवेदी का जन्म गाज़ीपुर में हुआ था, और वह भारतीय साहित्य में एक प्रसिद्ध आलोचक और लेखक के रूप में जाने जाते हैं ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (C) गाज़ीपुर है, क्योंकि उनका जन्म यहीं हुआ था ।

Final Answer :

The correct answer is (C) गाज़ीपुर.

> **Quick Tip**
>
> In historical and literary studies, it is important to connect the author's birthplace with their work and influence.

(v) 'बाग़वां' मासिक पत्रिका के समापक का नाम है :

(A) रामेंद्र मिश्र
(B) प्रताप नारायण मिश्र
(C) हरिनारायण पाठक

(D) महेन्द्र वर्मा

Correct Answer : (A) रामेंद्र मिश्र

Solution : Step 1 : Understanding the question.
'बाग़वां' मासिक पत्रिका का समापक रामेंद्र मिश्र थे । यह पत्रिका हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण योगदान थी ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (A) रामेंद्र मिश्र है, क्योंकि उन्होंने इस पत्रिका का संपादन किया था ।

Final Answer :

The correct answer is (A) रामेंद्र मिश्र.

Quick Tip

When studying literary journals, always note the key people behind them and their contributions to literature.

Q2. Choose the correct option to answer the following questions :

(i) हिंदी साहित्य के इतिहास को प्रमुख कितने कालों में बांटा गया है ?

(A) 5
(B) 7
(C) 4
(D) 6

Correct Answer : (C) 4

Solution : Step 1 : Understanding the question.
हिंदी साहित्य के इतिहास को चार प्रमुख कालों में विभाजित किया गया है : आदिकाव्य काल, मध्य-काल, आधुनिक काल और समकालीन काल ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (C) 4 है, क्योंकि हिंदी साहित्य को चार प्रमुख कालों में विभाजित किया गया है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) 4.

Quick Tip

When dividing literary history, consider major cultural and historical shifts that shaped the literature of that period.

(ii) 'साहित्यांजलि' का सम्पादन के स्थानक है :

(A) हरिद्वार
(B) सूर्योदय सिखी पत्रिका
(C) जगतप्रसाद
(D) प्रेमचंद भारत

Correct Answer : (D) प्रेमचंद भारत

Solution : Step 1 : Understanding the context.
'साहित्यांजलि' के सम्पादन के लिए प्रेमचंद भारत ने इस पत्रिका का संपादन किया था। यह हिंदी साहित्य की प्रमुख पत्रिकाओं में से एक है।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (D) प्रेमचंद भारत है, क्योंकि 'साहित्यांजलि' का सम्पादन उन्हीं के द्वारा किया गया था।

Final Answer :

The correct answer is (D) प्रेमचंद भारत.

Quick Tip

Study the historical significance of literary journals and their editors to understand their contribution to literature.

(iii) भारतीय इतिहास का जन्म हुआ था :

(A) 1850 ई. में
(B) 1870 ई. में
(C) 1907 ई. में
(D) 1922 ई. में

Correct Answer : (A) 1850 ई. में

Solution : Step 1 : Understanding the question.
भारतीय इतिहास का जन्म 1850 ई. में हुआ था, जब भारतीय उपमहाद्वीप में औपनिवेशिक गतिविधियों ने तेजी से प्रभाव डाला था।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (A) 1850 ई. है, क्योंकि भारतीय इतिहास को एक नए संदर्भ में स्थापित किया गया था।

Final Answer :

The correct answer is (A) 1850 ई. में.

Quick Tip

When studying historical events, understand the socio-political context in which they occurred.

(iv) सुमित्रानंदन पंत का जन्म किस जनपद में हुआ था ?

(A) मेनपुरी
(B) अलीगढ़
(C) इटावा
(D) चित्रकूट

Correct Answer : (A) मेनपुरी

Solution : Step 1 : Understanding the question.
सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई 1900 को उत्तर प्रदेश के मेनपुरी जनपद में हुआ था। वह हिंदी साहित्य के महान कवि थे और छायावादी काव्यधारा के प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (A) मेनपुरी है, क्योंकि उनका जन्म यहीं हुआ था।

Final Answer :

The correct answer is (A) मेनपुरी.

Quick Tip

When studying literary figures, always remember their birthplace and its influence on their work.

(v) 'अनात्मवाद' नाटक के लेखक हैं :

(A) जयशंकर प्रसाद
(B) महादेवी वर्मा
(C) रविंद्रनाथ ठाकुर

(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (A) जयशंकर प्रसाद

Solution : Step 1 : Understanding the context.
'अनात्मवाद' नाटक के लेखक जयशंकर प्रसाद थे । यह नाटक हिंदी नाट्य साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है ।
Step 2 : Conclusion.
सही उत्तर (A) जयशंकर प्रसाद है, क्योंकि 'अनात्मवाद' नाटक का लेखन उन्होंने ही किया था ।

Final Answer :

The correct answer is (A) जयशंकर प्रसाद.

Quick Tip

In literary studies, knowing the author and their works helps in understanding the historical and cultural context of their creations.

Q.3 निम्नलिखित से ही किसी पंक्ति गंगों का संदर्भ देते हुए उसके नीचे अंकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

आस-पास के अन्य सामाजिक विज्ञानों की इस जानकारी को जीवन में जोड़ा है कि वह हमारी सांस्कृतिक धारा के होते हुए भी यह स्पष्ट किया गया है कि हमारी सांस्कृतिक पहचान के रूप में प्रयुक्त शब्दों और परिवर्तित की कई नई नई नीतियाँ, संस्कृति के साथ जुड़ी स्थितियों में उनकी भूमिका के लिए प्रयास किए गये उपनिवेशों के नाम पर उनकी गिनती नहीं हो सकी ।

(a) 'उदाहरण' का संदर्भ लिखिए ।

Solution :
उदाहरण वह है जिसे हम किसी घटना, उदाहरण या विशेष विचार को स्पष्ट करने के लिए देते हैं । यह किसी एक तथ्य या विचार के अधिक व्यापक समझ के लिए उपयोगी होता है ।

Final Answer :

उदाहरण वह है जिसे हम किसी घटना, उदाहरण या विशेष विचार को स्पष्ट करने के लिए देते हैं ।

Quick Tip

जब आप उदाहरण का उल्लेख करें, तो ध्यान दें कि वह उस विशेष विचार या घटना को समझाने में सहायक हो ।

(b) 'सांस्कृतिक क्षेत्र की आवश्यकता परिभाषित करें ।

Solution :
सांस्कृतिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जहाँ समाज या समूह के द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियाँ होती हैं, जैसे कला, संगीत, परंपराएँ आदि । यह किसी समाज की सांस्कृतिक पहचान और उनके मूल्यों की अभिव्यक्ति है ।

Final Answer :

सांस्कृतिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जहाँ समाज या समूह के द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियाँ होती हैं ।

Quick Tip

सांस्कृतिक क्षेत्र का अध्ययन समाज के सांस्कृतिक पहलुओं और उनके बदलते परिवेश को समझने में मदद करता है ।

(c) भारतीय संस्कृति से विकास होने का मुख्य कारण क्या है ?

Solution :
भारतीय संस्कृति का विकास मानवता, धर्म, और परंपरा के गहरे संबंधों से हुआ है । इसकी विविधता और समृद्धि इसकी शक्ति का प्रमुख कारण है ।

Final Answer :

भारतीय संस्कृति का विकास मानवता, धर्म, और परंपरा के गहरे संबंधों से हुआ है ।

Quick Tip

किसी संस्कृति के विकास को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ को जानना महत्वपूर्ण होता है ।

(d) 'पृथिवी' और 'सांस्कृतिक' शब्दों के क्रम : उनके और असल उपयोग छोटे शब्द लिजिए ।

Solution :
- **पृथिवी** : यह शब्द पृथ्वी, शरीर और भौतिक संसार से संबंधित होता है । - **सांस्कृतिक** : यह शब्द समाज और संस्कृति से संबंधित होता है, जैसे पारंपरिक कला, मान्यताएँ, आदि ।

Final Answer :

पृथिवी : भौतिक, सांस्कृतिक : समाज और संस्कृति से संबंधित ।

Quick Tip

किसी भी शब्द का सही अर्थ जानने के लिए उसके संदर्भ में विचार करें कि वह किस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है ।

OR

Q.3 आलोक को जो समान कलियों से मिला, वह अप्रत था ! दृश्यताओं के आत्मनिर्भरता से जुड़ी बातें बच्चों के मुँह आदत से वह चिल्लाता था, कौन किसको सवालों पर क्रियाशीलता के रूप में भूलता था और संदर्भ नीन अपने अन्वेषण शोण को की गुटा बना देता था । वह महत्त्व के मन में शीर्ष करता था, नार्यत उपस्थिति के बिना से सीट का भ्रम पैदा करना और स्वामित्व देवता के एक इशारे पर किसी पर सभी के सूट उतना था ।

(a) 'उदाहरण' गंगाओं का संदर्भ लिखिए ।

Solution :
उदाहरण वह है, जिसे हम किसी घटना, उदाहरण या विशेष विचार को स्पष्ट करने के लिए देते हैं । यह किसी एक तथ्य या विचार के अधिक व्यापक समझ के लिए उपयोगी होता है ।

Final Answer :

उदाहरण वह है जिसे हम किसी घटना, उदाहरण या विशेष विचार को स्पष्ट करने के लिए देते हैं ।

Quick Tip

जब आप उदाहरण का उल्लेख करें, तो ध्यान दें कि वह उस विशेष विचार या घटना को समझाने में सहायक हो ।

(b) 'खेलकों' की अभिव्यक्ति सीमित करें ।

Solution :
खेलकों की अभिव्यक्ति को समझने के लिए हमें उनकी शारीरिक क्रियाओं, संवादों और मनोवैज्ञानिक स्थितियों का विचार करना होता है, जिससे उनकी वास्तविक स्थिति और प्रभाव को समझा जा सके ।

Final Answer :

खेलकों की अभिव्यक्ति उनके कार्य, संवाद और मानसिकता से संबंधित होती है ।

Quick Tip

अभिव्यक्ति को समझने में संवाद और शारीरिक क्रियाओं का गहरा योगदान होता है ।

(c) भारतीय संस्कृति से किसने कभी और अन्यथा को सामर्थ्य किया है ?

Solution :
भारतीय संस्कृति के उत्थान में कई प्रमुख विचारकों और समाजिक परिवर्तनकर्ताओं का योगदान रहा है, जिन्होंने भारतीय समाज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थितियों को समझा और उनके माध्यम से नए दृष्टिकोणों को स्थापित किया ।

Final Answer :

भारतीय संस्कृति के उत्थान में प्रमुख विचारकों और समाजिक परिवर्तनकर्ताओं ने योगदान दिया ।

Quick Tip

भारतीय संस्कृति के विकास में विचारकों की भूमिका को समझने के लिए उनके दृष्टिकोण और उनके द्वारा किए गए सामाजिक परिवर्तन को ध्यान में रखें ।

(d) 'आध्यात्मिकता' तथा 'काव्यात्मकता' का अर्थ और विवरण लिखिए ।

Solution :
- **आध्यात्मिकता** : यह आत्मा, धर्म और जीवन के गहरे अर्थ से संबंधित है । यह मानव के आंतरिक उन्नति और आत्मज्ञान की प्रक्रिया है । - **काव्यात्मकता** : यह कविता या साहित्य के भाव, लय और शैली से संबंधित है । यह साहित्यिक अभिव्यक्ति के माध्यम से गहरी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की कला है ।

Final Answer :

आध्यात्मिकता : आत्मा और धर्म से संबंधित, काव्यात्मकता : कविता और साहित्य के अभिव्यक्तिक स्वरूप से सं

Quick Tip

आध्यात्मिकता और काव्यात्मकता के बीच अंतर को समझने के लिए उनके उद्देश्य और समाज में प्रभाव को ध्यान में रखें ।

Q.4 पंक्तियों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

विकसित कंबल में अन्यतम नम- मंडल-खण्डी ।
भाई दर अपना दौड़ था बाबू विघिदी ।
भय और भय शांति ध्वनि फैलाते ।
माधव मिल मनुष्यों का संगठित बन्धु ।

(a) 'उदाहरण' पंक्तियों का संदर्भ लिखिए ।

Solution :
यह पंक्तियाँ समाज के भौतिक परिवेश और सामाजिक जीवन के मापदंडों के बारे में हैं । इसमें व्यक्ति और उसके परिवेश के बीच की शांति और सहयोग की भावना को चित्रित किया गया है ।

Final Answer :

यह पंक्तियाँ समाज और व्यक्तिगत जीवन के संतुलन और शांति की बात करती हैं ।

Quick Tip

जब भी आपको किसी गद्यांश से उदाहरण प्रस्तुत करना हो, तो उस विशेष भाव या स्थिति को ध्यान से देखें जिसे लेखक व्यक्त करना चाहता है ।

(b) 'संदर्भ' पंक्तियों की व्याख्या करें ।

Solution :
यह पंक्तियाँ किसी भौतिक तत्व या सामाजिक संदर्भ से जुड़ी हुई हैं जो एक सेतु के रूप में कार्य करती हैं, जो विभिन्न स्थितियों या विषयों को जोड़ने का कार्य करती है । यह जीवन के विभिन्न पहलुओं में एकता की बात करती हैं ।

Final Answer :

यह पंक्तियाँ जीवन में एकता और समझ को दर्शाती हैं ।

Quick Tip

संदर्भ को समझने में, उस शब्द या वाक्य के प्रभाव को समझना बहुत महत्वपूर्ण है जो इसे स्पष्ट करता है ।

(c) 'भय' शब्द का अर्थ क्या है ?

Solution :
'भय' एक मानसिक स्थिति है जो व्यक्ति को किसी खतरे या अप्रत्याशित स्थिति का सामना करने पर होती है । यह भावना किसी प्रकार के डर या चिंता का संकेत देती है ।

Final Answer :

भय : एक मानसिक स्थिति जो किसी खतरे या अप्रत्याशित स्थिति के कारण उत्पन्न होती है ।

Quick Tip

जब भी भय का उल्लेख हो, तो यह समझें कि वह किस प्रकार की भावना को व्यक्त करता है । यह किसी नकारात्मक अनुभव या अप्रत्याशित स्थितियों के बारे में हो सकता है ।

(d) 'माधव' शब्द का क्या अर्थ है और इसका संबंध क्या है ?

Solution :
'माधव' संस्कृत से उत्पन्न एक शब्द है जिसका अर्थ 'भगवान श्री कृष्ण' से है । यह शब्द प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता से जुड़ा हुआ है ।

Final Answer :

माधव : भगवान श्री कृष्ण के संदर्भ में एक आध्यात्मिक शब्द ।

Quick Tip

'माधव' जैसे शब्दों का सही अर्थ समझने के लिए उनके धार्मिक या सांस्कृतिक संदर्भ को जानना जरूरी होता है ।

OR

Q.4 सुख भोग खोजने आते सब, आये तुम करने सब खोज
उनकी मिटी के पुतले जन, तुम आना के, मन के मोहे !
बदला, शिकार, सम्पूर्ण में प्रभव
चेतना, अभिक्रम, मन-ऑन ।

भूतता का पंक बना दिया
तुम्हे मनवत्ता का सूलते

(a) 'उदाहरण' पंक्तियों का संदर्भ लिखिए।

Solution:
यह पंक्तियाँ जीवन के संघर्ष, और उसके परिणामस्वरूप आने वाले मानसिक विकारों का संकेत करती हैं। यहाँ पर व्यक्ति के संघर्ष के साथ-साथ उसके आंतरिक संघर्ष को भी समझाया गया है।

Final Answer:

यह पंक्तियाँ जीवन के संघर्ष और मानसिक विकारों को व्यक्त करती हैं।

Quick Tip

जब गद्यांश में मानसिक परिवर्तन की बात हो, तो उसका परिप्रेक्षय और वास्तविक जीवन से जुड़ाव महत्वपूर्ण होता है।

(b) 'अधिकतम मानव स्वभाव' में आंतरिक (विकृति) खोज से तात्पर्य क्या है ?

Solution:
'अधिकतम मानव स्वभाव' का अर्थ है जब इंसान अपने स्वभाव में नकारात्मकता और विकृति को तलाशता है, जिससे उसके भीतर का संघर्ष बढ़ता है। यह स्वाभाविक रूप से उसके आंतरिक संतुलन को प्रभावित करता है।

Final Answer:

अधिकतम मानव स्वभाव से तात्पर्य है जब व्यक्ति अपने आंतरिक विकारों को बढ़ावा देता है।

Quick Tip

स्वभाव और मानसिकता के बीच फर्क को समझना जरूरी है। स्वभाव मनुष्य के आंतरिक गुण हैं, जबकि मानसिकता समय और अनुभव से बनती है।

(c) 'मानसिक' और 'दृष्टि' शब्दों के अर्थ लिखिए।

Solution :
- **मानसिक** : यह शब्द व्यक्ति के मानसिक या मानसिक स्थिति से संबंधित है, जैसे मानसिक विकार या मानसिक संतुलन । - **दृष्टि** : यह शब्द व्यक्ति के विचारों, दृष्टिकोण या नजरिए से संबंधित होता है, जैसे जीवन में किसी समस्या को देखने का तरीका ।

Final Answer :

मानसिक : मानसिक स्थिति से संबंधित, दृष्टि : विचार या नजरिया से संबंधित ।

Quick Tip

किसी भी शब्द का सही अर्थ जानने के लिए उसके संदर्भ में विचार करें । 'मानसिक' का अर्थ मानसिक स्थिति से है, जबकि 'दृष्टि' जीवन में किसी मुद्दे को देखने के नजरिए से है ।

(d) 'मायामय' शब्द का क्या अर्थ है और इसका संदर्भ क्या है ?

Solution :
'मायामय' एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है जो छायादार, मिथ्या या असत्य है । यह शब्द जीवन में भ्रमित और अस्थिर स्थितियों को व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है ।

Final Answer :

मायामय : जो मिथ्या या असत्य हो, जीवन में भ्रमित और अस्थिर स्थितियों का प्रतीक ।

Quick Tip

'मायामय' का सही अर्थ समझने के लिए इसके संदर्भ को जानना जरूरी है, विशेषकर जब यह किसी भ्रम या असत्यता को व्यक्त करता है ।

Q5. Answer the following questions with a brief description of the author's life and works (maximum 80 words) :
(i) बंधुसंकर अवस्थल

Solution :
बंधुसंकर अवस्थल हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक और कवि थे । उनका लेखन ग्रामीण जीवन, सांस्कृतिक मुद्दों और समाज के विविध पहलुओं पर आधारित था । उन्होंने कई उपन्यास, कहानियाँ और निबंध लिखे, जिनमें समाजिक बदलाव और भारतीय जीवन के विभिन्न पक्षों को प्रदर्शित किया ।

Final Answer :

बंधुसंकर अवस्थल हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक और कवि थे ।

Quick Tip

For literary figures, focus on their major works, the themes they explored, and the impact they had on society through their writing.

(ii) रत्नप्रसाद द्विवेदी

Solution :
रत्नप्रसाद द्विवेदी एक प्रसिद्ध हिंदी आलोचक और साहित्यकार थे। उन्होंने भारतीय साहित्य की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया और हिंदी कविता की आलोचना में एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। वे साहित्यिक आलोचना के क्षेत्र में अग्रणी थे और उनकी दृष्टि साहित्य की सटीकता और समाजिक संदेशों के महत्व पर आधारित थी।

Final Answer :

रत्नप्रसाद द्विवेदी हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण आलोचक और लेखक थे।

Quick Tip

For literary critics, focus on their contribution to literary theory and how their work influenced the understanding of literature.

(iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

Solution :
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारतीय मिसाइल मैन और राष्ट्रपति रहे। उनका जीवन भारतीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'विंग्स ऑफ फायर', 'इंडिया 2020' और 'युवाओं के लिए विचार' हैं। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाओं का समर्थन किया।

Final Answer :

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारतीय मिसाइल मैन और राष्ट्रपति थे।

Quick Tip

When discussing influential personalities, focus on their contributions to national development and how they inspired others.

Q.5 Answer the following questions with a brief description of the author's life and works (maximum 80 words) :

(i) उमाशंकर वर्मा

Solution :

उमाशंकर वर्मा एक प्रसिद्ध हिंदी कवि और लेखक थे । उनकी रचनाएँ समाजिक मुद्दों, भारतीय संस्कृति और मानवता के परिप्रेक्षय में लिखी गई थीं । उनके द्वारा लिखित कविता और कहानी संग्रह भारतीय जीवन की सच्चाईयों और चुनौतियों को दर्शाते हैं । उनके योगदान से हिंदी साहित्य को नई दिशा मिली ।

Final Answer :

उमाशंकर वर्मा हिंदी के प्रमुख कवि और लेखक थे जिनकी रचनाएँ भारतीय समाज और संस्कृति से जुड़ी हुई हैं ।

Quick Tip

For literary figures, focus on their most influential works and how their writing shaped the cultural or social landscape.

(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Solution :

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिंदी साहित्य के महान कवि और लेखक थे । उनकी काव्य रचनाएँ आधुनिक हिंदी कविता की नींव रखती हैं । उन्होंने अपनी कविताओं में जीवन के विविध पहलुओं, विशेषकर मानवता और समाजिक न्याय को व्यक्त किया । उनके प्रमुख काव्य संग्रह 'राम की शक्ति पूजा' और 'तुलसीदास' हैं ।

Final Answer :

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिंदी के प्रमुख कवि थे जिनकी काव्य रचनाएँ समाजिक बदलाव और न्याय की बात

Quick Tip

When discussing poets like Nirala, highlight their most influential works and how their poetry reflected social issues and human values.

(iii) सुमित्रानंदन पंत

Solution :

सुमित्रानंदन पंत हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि और लेखक थे । उनका काव्य शास्त्रीय और प्रकृति प्रेम से प्रेरित था । उन्होंने भारतीय समाज और संस्कृति को अपने कविता के माध्यम से प्रस्तुत

किया और हिंदी कविता में एक नया दृष्टिकोण दिया । उनकी प्रमुख रचनाएँ 'स्वर्णलता', 'पारिजात' और 'युगवाणी' हैं ।

Final Answer :

सुमित्रानंदन पंत हिंदी के प्रमुख कवि थे जिनकी कविताओं में प्रकृति और समाज के तत्वों का अद्वितीय चित्र

Quick Tip

For poets like Sumantranandan Pant, emphasize their connection with nature and their contribution to the development of modern Hindi poetry.

Q6. Answer the following questions in about 80 words :

(i) 'कर्मनासा की हार' अथवा 'दूल का रिश्ता' कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

Solution :
'कर्मनासा की हार' कहानी में एक सामान्य आदमी की संघर्षपूर्ण यात्रा को दर्शाया गया है, जो सामाजिक असमानताओं से जूझता है । यह कहानी उस व्यक्ति के संघर्ष को बताती है जो अपनी पहचान के लिए समाज की विडम्बनाओं से जूझ रहा है । वहीं, 'दूल का रिश्ता' कहानी में रिश्तों की उलझनों और परिवार के भीतर व्यक्ति की स्थिति को दर्शाया गया है । कहानी में दिखाया गया है कि व्यक्ति अपने परिवार और समाज से जुड़े संघर्षों का सामना करता है ।

Final Answer :

'कर्मनासा की हार' और 'दूल का रिश्ता' दोनों ही व्यक्ति के आंतरिक और बाहरी संघर्षों को प्रस्तुत करती हैं ।

Quick Tip

When analyzing plot structures, focus on the underlying message the author is conveying through the protagonist's struggles, relationships, and societal issues.

OR

(ii) 'लाती' कहानी के प्रमुख पात्र का चित्र-विवरण कीजिए ।

Solution :
'लाती' कहानी का प्रमुख पात्र एक ऐसी स्त्री है जो अपने संघर्षों और समाजिक कष्टों के बावजूद खुद

को साबित करती है। वह अपने परिवेश में स्थित सभी संकटों का सामना करती है और समाज के झूठे मूल्यों के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाती है। उसकी साहसिकता और आत्मविश्वास उसे इस कहानी का केंद्रीय पात्र बनाता है।

Final Answer:

'लाती' कहानी में प्रमुख पात्र एक स्त्री है जो संघर्षों से जूझते हुए समाज की कुरीतियों का विरोध करती है।

Quick Tip

For character analysis, focus on their transformation and how they challenge societal norms, which shapes their role in the story.

Q7. स्वप्नित उपन्यास के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए: (सीमा-सीमा उपयुक्तता: 80 शब्द)

(a) 'स्वप्नित' उपन्यास की प्रमुख घटनाओं का चित्रण कीजिए।

Solution:
'स्वप्नित' उपन्यास में एक युवक के जीवन के संघर्ष और उसकी मानसिक स्थिति की यात्रा को दर्शाया गया है। उपन्यास में जीवन के वास्तविकता से जुड़े सपने, संघर्ष और आकांक्षाओं की कहानी है। यह उपन्यास एक व्यक्ति के आत्म-साक्षात्कार, जीवन के उद्देश्य और आंतरिक संघर्ष को उजागर करता है, जो उसे जीवन में शांति और संतोष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

Final Answer:

'स्वप्नित' उपन्यास जीवन के संघर्ष, सपनों और आंतरिक संघर्ष को चित्रित करता है।

Quick Tip

When analyzing a novel, focus on the protagonist's inner transformation and how external conflicts shape their journey.

OR

(i) 'स्वप्नित' के नामक काव्य का चित्रण कीजिए।

Solution:
'स्वप्नित' काव्य में लेखक ने जीवन के अव्यक्त रूपों और सपनों को रूपायित किया है। यह कविता जीवन

के इंद्रिय बोध और आत्मिक पहलुओं के बीच के संघर्ष को दर्शाती है। इसमें व्यक्ति की इच्छाओं, सपनों और सत्य की ओर बढ़ते हुए उसके आत्म-साक्षात्कार को केंद्रित किया गया है।

Final Answer :

'स्वप्निल' काव्य जीवन और आंतरिक संघर्ष को समर्पित है, जो व्यक्तित्व के आत्म-साक्षात्कार की ओर इशारा करता

Quick Tip

When discussing poetry, focus on how the themes and symbols represent the larger human experience.

Q7. Answer the following questions in about 80 words :

(ii) 'स्वप्नोंमार' उपन्यास की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।

Solution :
'स्वप्नोंमार' उपन्यास में मुख्य पात्र का जीवन उसके सपनों और वास्तविकता के बीच के संघर्ष पर आधारित है। उपन्यास की घटनाएँ पात्र की मानसिक स्थिति, उसके संघर्ष और समाज के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करती हैं। यह कहानी जीवन के उद्देश्य और आंतरिक संतुलन की तलाश पर केंद्रित है। मुख्य पात्र की व्यक्तिगत जिजीविषा और सपनों की खोज उसकी यात्रा का केंद्रीय हिस्सा बनते हैं।

Final Answer :

'स्वप्नोंमार' उपन्यास जीवन और संघर्ष के बीच के तनाव और स्वप्नों की खोज को दर्शाता है।

Quick Tip

When analyzing a novel, focus on the central conflict, how it evolves, and its impact on the protagonist's development.

OR

(ii) 'स्वप्नोंमार' उपन्यास का नामक कौन है ? उसका चरित्र-विवरण कीजिए।

Solution :
'स्वप्नोंमार' उपन्यास का नामक मुख्य पात्र एक युवा है जो जीवन के कठिन सवालों और आंतरिक संघर्षों से जूझता है। उसकी सोच सपनों और वास्तविकता के बीच उलझी रहती है। उसका व्यक्तित्व

कभी कमजोर होता है और कभी वह अपने आदर्शों के प्रति दृढ़ रहता है । यह पात्र एक खोजी के रूप में जीवन को समझने का प्रयास करता है ।

Final Answer :

स्वप्नोंमार का नामक एक युवा है, जो जीवन के आदर्शों और वास्तविकता के बीच संघर्ष करता है ।

Quick Tip

Character analysis involves understanding the motivations, conflicts, and growth the protagonist experiences throughout the story.

Q7. Answer the following questions in about 80 words :

(iii) 'सत्य की जीत' उपन्यास की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Solution :
'सत्य की जीत' उपन्यास में सत्य के सिद्धांतों और आदर्शों का चित्रण किया गया है । उपन्यास की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें व्यक्ति के भीतर के सत्य के संघर्ष को प्रस्तुत किया गया है । यह कहानी न केवल व्यक्तिगत संघर्ष की, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों की भी चर्चा करती है । सत्य और न्याय की विजय का संदेश इस उपन्यास की केंद्रीय थीम है ।

Final Answer :

'सत्य की जीत' उपन्यास में सत्य और न्याय की विजय को केंद्रीय रूप से दर्शाया गया है ।

Quick Tip

For analyzing the themes of a novel, focus on the moral struggles and how they shape the protagonist's journey.

Or

(iii) 'सत्य की जीत' उपन्यास का नामक कौन है ? उसका चरित्र-विवरण कीजिए ।

Solution :
'सत्य की जीत' उपन्यास का नामक मुख्य पात्र एक ऐसा व्यक्ति है जो सत्य और न्याय के पक्ष में खड़ा होता है । वह अपने आंतरिक संघर्षों और सामाजिक दबावों से जूझते हुए सत्य के मार्ग पर चलता है । उसका व्यक्तित्व दृढ़, ईमानदार और सामाजिक बदलाव की आवश्यकता से प्रेरित होता है ।

Final Answer :

'सत्य की जीत' का नामक एक व्यक्ति है जो सत्य और न्याय के पक्ष में खड़ा होता है ।

Quick Tip

Character description should highlight key traits that define the character's role and their journey in the story.

Q7. Answer the following questions in about 80 words :

(iv) 'आलोचनात्मक' उपन्यास की विशेषताएँ लिखिए ।

Solution :
'आलोचनात्मक' उपन्यास में समाज के विभिन्न पहलुओं और उसके दोषों का आलोचनात्मक चित्रण किया गया है । यह उपन्यास सामाजिक असमानताओं, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विरोधाभासों पर आधारित है । उपन्यास की प्रमुख विशेषता यह है कि यह पात्रों और घटनाओं के माध्यम से समाज के विरोधाभासों को उजागर करता है, और इन समस्याओं के समाधान के लिए दिशा भी प्रदान करता है ।

Final Answer :

'आलोचनात्मक' उपन्यास समाज के विरोधाभासों और समस्याओं का आलोचनात्मक चित्रण करता है ।

Quick Tip

For analyzing a critical novel, focus on how the author addresses social issues and critiques societal norms.

Or

(iv) 'आलोचनात्मक' उपन्यास का नामक कौन है ? उसका चरित्र-विवरण कीजिए ।

Solution :
'आलोचनात्मक' उपन्यास का नामक एक व्यक्ति है जो समाज के हर पहलु को नज़दीकी से देखता है और सामाजिक सुधार के लिए काम करता है । उसका चरित्र संवेदनशील, साहसी और ईमानदार है, जो समाज में व्याप्त समस्याओं को सुधारने का प्रयास करता है । उसकी यात्रा समाज के सुधार और न्याय की दिशा में होती है ।

Final Answer :

'आलोचनात्मक' उपन्यास का नामक एक व्यक्ति है जो समाजिक सुधार के लिए काम करता है ।

Quick Tip

Character descriptions in critical novels often focus on their role as agents of change or reflections of societal norms.

Q7. Answer the following questions in about 80 words :

(v) **'मुक्तिबंध' उपन्यास की किसी एक प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए ।**

Solution :
'मुक्तिबंध' उपन्यास में मुख्य घटना उस पात्र का आत्म-निर्णय है जो जीवन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्म-मुक्ति की तलाश करता है । यह घटना उपन्यास के केंद्रीय संघर्ष को व्यक्त करती है, जिसमें पात्र अपने अस्तित्व के सवालों का सामना करते हुए, एक नई दिशा की ओर बढ़ता है । उपन्यास में समाजिक और मानसिक मुक्ति के पहलुओं पर जोर दिया गया है ।

Final Answer :

'मुक्तिबंध' उपन्यास में मुख्य घटना आत्म-निर्णय की है, जिसमें पात्र अपने अस्तित्व के सवालों का सामना करता

Quick Tip

When discussing key events in a novel, focus on how they reflect the character's internal conflict or broader societal issues.

OR

(v) **'मुक्तिबंध' उपन्यास के पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।**

Solution :
'मुक्तिबंध' उपन्यास का पात्र एक संघर्षशील और आत्मनिर्भर व्यक्ति है । उसकी प्रमुख विशेषताएँ उसकी मानसिकता, संघर्ष की क्षमता, और आत्म-विश्वास हैं । वह समाजिक कुरीतियों से जूझता है और अपनी स्वतंत्रता की ओर अग्रसर होता है । उसकी दृढ़ता, साहस और आंतरिक संघर्ष उसे उपन्यास का केंद्रीय पात्र बनाते हैं ।

Final Answer :

'मुक्तिबंध' के पात्र की विशेषताएँ संघर्षशीलता, आत्मनिर्भरता और दृढ़ता हैं ।

Quick Tip

Character analysis focuses on understanding the attributes that define the protagonist's journey, especially their internal growth and struggles.

Q7. Answer the following questions in about 80 words :

(vi) 'व्यापारिनी' उपन्यास की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Solution :
'व्यापारिनी' उपन्यास में समाज की जटिलताओं और एक स्त्री के संघर्ष को प्रमुखता से दर्शाया गया है । इस उपन्यास में महिला पात्र की आंतरिक और बाहरी दुनिया के बीच का संघर्ष और उसकी सामाजिक स्थिति को उजागर किया गया है । यह उपन्यास न केवल एक महिला के अस्तित्व की तलाश की कहानी है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे समाज और संस्कृति के बंधन में एक व्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होती है ।

Final Answer :

'व्यापारिनी' उपन्यास में महिला पात्र के संघर्ष और समाज के बंधनों को प्रमुखता से दर्शाया गया है ।

Quick Tip

When analyzing a novel, focus on the social and personal conflicts the protagonist faces and how they influence the storyline.

OR

(vi) 'व्यापारिनी' उपन्यास की प्रमुख नारी-पात्र का नाम बताइए और उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

Solution :
'व्यापारिनी' उपन्यास की प्रमुख नारी-पात्र का नाम 'सुशीला' है । वह एक संघर्षशील, साहसी और आत्मनिर्भर महिला है, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी को बखूबी निभाती है । उसकी विशेषताएँ उसकी आंतरिक शक्ति, समाजिक सीमाओं के खिलाफ खड़ा होना और अपने अधिकारों के लिए लड़ना हैं । वह अपने जीवन में कई बाधाओं का सामना करते हुए स्वतंत्रता की ओर बढ़ती है ।

Final Answer :

'व्यापारिनी' उपन्यास की प्रमुख नारी-पात्र 'सुशीला' है, जो संघर्षशील और आत्मनिर्भर है ।

Quick Tip

When describing characters, focus on their inner strength, journey, and how they navigate the external conflicts in their world.

Q8. निम्नलिखित संकल्प गानां का संन्देश-शक्ति हिंदी में अनुवाद कीजिए :

Solution :
महान भारतवासियों ! यह संस्कृत वाक्य-पंक्ति : "भारतवर्ष : धन्य देश : पाताालि, भ्रामभाविता-पक्षिणी, शांति-द्वार-दर्शिनी" के अनुसार यह भारतीय राष्ट्र को अपार सम्मान और शांति के प्रतीक के रूप में व्याख्यायित करती है । यह पूरे राष्ट्र की समृद्धि और धर्मार्थ महात्मा की स्थिति को विस्तारित करती है ।

Final Answer :

यह संकल्प गान भारतीय राष्ट्र की महिमा, शांति और समृद्धि की बात करता है ।

Quick Tip

Focus on the themes of unity, peace, and prosperity when analyzing philosophical or inspirational verses.

OR

(i) **'माहात्म्य विद्या' को संस्कृत से हिंदी में अनुवाद कीजिए ।**

Solution :
माहात्म्य विद्या, जो भारतीय ज्ञान के भीतर विद्यमान है, यह सच का, शुद्धता का मार्ग है, जो व्यक्ति को सच्चे स्वरूप के साथ जोड़ता है । यह ज्ञान, सम्पूर्ण आत्मज्ञान का पथ प्रदान करता है और व्यक्ति को न केवल भौतिक ही, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक भी समृद्धि की दिशा में अग्रसर करता है ।

Final Answer :

माहात्म्य विद्या जीवन के पथ का ज्ञान है, जो व्यक्ति को आत्मज्ञान और शुद्धता की ओर मार्गदर्शन करता है ।

Quick Tip

Focus on how the knowledge or text reflects the philosophy of life and its deeper meanings, especially in spiritual texts.

Q8. निम्नलिखित श्लोक का हिंदी में संदर्भ-शक्ति अनुवाद कीजिए :

(i) पहला श्लोक :

Solution :
प्रसन्नभाव पूर्वक सत्तेगुणों से ताजे बोलों में शक्ति देनेवाले शब्दों के साथ अपने कार्यों की सिद्धि को बनाए रखें । इस श्लोक का अर्थ है कि व्यक्ति को सकारात्मक रूप में कार्य करना चाहिए और कार्य की सिद्धि के लिए खुशी से कार्य करना आवश्यक है । जब व्यक्ति अपने कार्यों को खुशी और दृढ़ता के साथ करता है, तो वह अपने लक्षय को प्राप्त करने में सक्षम होता है ।

Final Answer :

इस श्लोक में कार्यों की सिद्धि के लिए सकारात्मक मानसिकता और खुशी से कार्य करने का महत्त्व बताया गया है

Quick Tip

In life, focus on the positivity and enthusiasm you bring to your work, as this can directly influence your outcomes.

OR
(ii) दूसरा श्लोक :

सहज गुण, संपत्ति और सर्वोत्तम कार्य यही पथिक की जीवन-पद्धति है । इस श्लोक में यह कहा गया है कि जीवन में साधारण गुण, संपत्ति और उत्तम कार्य ही व्यक्ति के जीवन का आदर्श होना चाहिए । व्यक्ति को न केवल भौतिक संपत्ति, बल्कि मानसिक शांति और समाज की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए । यह श्लोक व्यक्ति के जीवन में संतुलन और संतुष्टि की आवश्यकता पर बल देता है ।

Final Answer :

इस श्लोक में जीवन के संतुलन और अच्छे कार्यों की महत्ता को प्रदर्शित किया गया है ।

Quick Tip

For true happiness, focus on balance in life and engage in actions that bring peace and prosperity to you and others.

Q9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :

(a) विद्यार्थि किम् त्वरितं ?

Solution :
उत्तर :

विद्यार्थि यः त्वरितं कार्यं सम्पूर्णं कर्तुम् इच्छति, सः स्वाध्यायं प्रतिदिनं कर्तुं समर्पितः च यत्नपूर्वकः शिक्षायाः अद्वितीयं पथं अनुसरति । तस्य त्वरितं प्रयासं चिन्तयित्वा कार्ये सन्देशः सुस्पष्टः कर्तुं सहायकं भवति ।

(b) केनायात् एवं : न प्रवेशलिनी ?

Solution :
उत्तर :

केनायात् भावनात्मकं मन्थरत्वं कर्तुं हर प्रकारेण सञ्ज्ञानं प्रकटयति । कार्यशक्ति स्थायीत्वं प्राप्ता यथार्थं प्रगति-संवर्धनम् अपि स्थिरीकरणं ज़िवितस्य ।

(c) क्रिया : भाषा : व्याख्यानं सूक्ष्मतां ?

Solution :
उत्तर :

क्रिया भाषा अभ्यासाणि प्रधानानि परिणामं श्रवणे उत्तमेषु, उद्घोषणांतर्पुटादेव ता : वि-श्लेषणेन आदेशात्मकानि । सार्वसामान्य भावोऽध्यान्यकात्मकमयं प्रमाणे सुस्थिरमूल्यायं रचनात्मकं विपरीतवृत्तिविश्लेषणं मिल ।

(d) मनुष्यत्वं कानि राजनं अनुकूलं ?

Solution :
उत्तर :

मनुष्यत्वं संजीव, सामाजिकं आदर्शं तथा आत्मविश्वासयुक्तं भागित्वे अनुरूपं कार्ये स्थाप्यम् आत्मनिर्भरः मार्गदर्शकं सन्देशे । राजनं अनुकूलम् परमार्थाभिवृद्धि अपि विश्वासे असम्भा-वकं स्थानभूतं ध्यानयोग्यं दृष्टिकोणम् ।

Final Answer :

सभी प्रश्नों के उत्तर सरलतम संस्कृत शब्दों में दिए गए हैं ।

Quick Tip

When working with Sanskrit, focus on using precise language forms to maintain the meaning and essence of the original content.

Q10. (a) 'भारत' अप्वाद 'कण' का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

Solution :
उत्तर : 'कण' शब्द का लक्षण : यह एक छोटा सा पदार्थ, जिसका आकार अव्यक्त है और जो दृश्य न हो सके । उदाहरण : "हवा में उड़ने वाला कण हम आसानी से नहीं देख सकते ।"

Final Answer :

'कण' का लक्षण : अव्यक्त, छोटा आकार और दृश्यता का अभाव ।

Quick Tip

When defining terms in Sanskrit, always relate them to their practical, observable characteristics in nature to make the meaning clear.

(b) 'उम' अप्वाद 'कण' का उदाहरण की परिसीमा लिखिए और उदाहरण भी दीजिए ।

Solution :
उत्तर : 'उम' शब्द का लक्षण : यह किसी निश्चित स्थायी आकार या रूप का अभाव करता है । उदाहरण : "पानी की बूँदें भी कण के रूप में अव्यक्त हो सकती हैं, जो हवा में घुली रहती हैं ।"

Final Answer :

'उम' का लक्षण : स्थायी आकार या रूप का अभाव ।

Quick Tip

Ensure to understand the underlying nature of the term to make its contextual usage clear in Sanskrit literature.

(c) 'सोतो' अप्वाद 'कुशलसित' फटेर की परिभाषा उदाहराण सहित लिखिए ।

Solution :
उत्तर : 'कुशलसित' शब्द का लक्षण : यह किसी व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होने की स्थिति को व्यक्त करता है । उदाहरण : "सोतो को कुशलसित फटेर की तरह समझा गया है, जो किसी भी कार्य में निपुण और स्वस्थ होता है ।"

Final Answer :

'कुशलसित' का लक्षण : मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होने की स्थिति ।

Quick Tip

When defining terms in Sanskrit, make sure to use examples that illustrate both the literal and figurative meanings of the words.

Q11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) पर्यावरण-प्रदूषण

Solution :
उत्तर : पर्यावरण प्रदूषण आज के समय में सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है । यह मुख्य रूप से मनुष्य की गतिविधियों जैसे कि औद्योगिकीकरण, वाहनों का धुआं, और कचरे का सही तरीके से निस्तारण न होना से उत्पन्न होता है । प्रदूषण से न केवल हमारे वातावरण को नुकसान पहुँचता है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है । इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करने और हरित प्रौद्योगिकियों का उपयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ।

Final Answer :

पर्यावरण प्रदूषण मानवता के लिए गंभीर खतरा है, जिसे नियंत्रित करने के लिए समुचित उपायों की आवश्यकता

Quick Tip

Focus on the causes and impacts of environmental pollution, and how human actions directly influence it. Highlight solutions such as reducing waste, using renewable energy, and increasing awareness.

(b) यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता ?

Solution :
उत्तर : यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता, तो मैं देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसरों को प्राथमिकता देता। मैं देश के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए नई नीतियाँ और योजनाएँ बनाता, ताकि सभी नागरिकों को समान अवसर मिल सकें। इसके साथ ही, मैं भ्रष्टाचार और सामाजिक असमानता को समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाता।

Final Answer :

अगर मैं प्रधानमंत्री होता, तो मैं सामाजिक और आर्थिक समृद्धि के लिए काम करता।

Quick Tip

When answering hypothetical political questions, consider how your policies would impact the social, economic, and environmental sectors of the nation.

(c) काव्य का समाज-सुपर ?

Solution :
उत्तर : काव्य समाज की संवेदनाओं, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह समाज की स्थितियों और संघर्षों को चित्रित करता है, और साथ ही सामाजिक सुधार के लिए प्रेरित करता है। काव्य का उद्देश्य समाज के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों के दिलों में सकारात्मक बदलाव लाना है।

Final Answer :

काव्य समाज के भावनात्मक और विचारात्मक पहलुओं को व्यक्त करता है और समाज में सुधार की प्रेरणा देता है

Quick Tip

In poetry, always focus on how it reflects societal issues, emotions, and the ability to inspire change or thought among the readers.

(d) विज्ञान : अवसर या बाधा ?

Solution :
उत्तर : विज्ञान मानवता के लिए एक अद्भुत अवसर है। यह नई-नई खोजों, तकनीकी उन्नति और चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी सफलता लाता है। विज्ञान ने हमारे जीवन को सरल और बेहतर बनाया है। हालांकि, इसके गलत उपयोग से कुछ समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे कि पर्यावरणीय संकट और जैविक संकट। अतः इसका सही उपयोग समाज के लिए फायदेमंद हो सकता है।

Final Answer :

विज्ञान अवसर प्रदान करता है, लेकिन इसका सही दिशा में उपयोग आवश्यक है ।

Quick Tip

When discussing science, always analyze its potential for progress and the consequences of its misuse.

(e) विद्यार्थी-जीवन में खेलकूद का महत्व ?

Solution :
उत्तर : विद्यार्थी जीवन में खेलकूद का महत्व अत्यधिक है । यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक विकास में भी सहायक होता है । खेलकूद विद्यार्थियों को अनुशासन, टीम वर्क, और संघर्षों से जूझने की क्षमता प्रदान करते हैं । यह छात्रों के लिए तनाव कम करने और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है ।

Final Answer :

खेलकूद विद्यार्थी जीवन में शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं ।

Quick Tip

In student life, consider how sports contribute to both physical fitness and the development of life skills such as teamwork and resilience.

Q12. (i) 'नद्म' का सटीक-विकल्प है :

(A) ने + नम् ;
(B) ने + अम् ;
(C) ने + अम् ;
(D) ने + अम् ;

Correct Answer : (A) ने + नम्

Solution : Step 1 : Understanding 'नद्म'.
'नद्म' एक संस्कृत शब्द है, जो किसी क्रिया की शीघ्रता और समय की तात्कालिकता को दर्शाता है । इसे विभिन्न संदर्भों में इस्तेमाल किया जाता है ।

Step 2 : Explanation.
'नम्र' का सही सटीक रूप 'ने + नम्' है, जो इस शब्द की क्रिया और तात्कालिक गति को व्यक्त करता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'ने + नम्'.

Quick Tip

When forming Sanskrit words, consider both the root and affix to understand their combined meaning in context.

(ii) 'नाविक' का सटीक-विकल्प है :

(A) नाव + एक ;
(B) नाव + एक ;
(C) नाव + इक ;
(D) नाव + क ;

Correct Answer : (C) नाव + इक

Solution : Step 1 : Understanding 'नाविक'.
'नाविक' संस्कृत शब्द है, जो एक व्यक्ति को संदर्भित करता है जो नाव में यात्रा करता है । यह शब्द मुख्य रूप से उन व्यक्तियों के लिए उपयोग किया जाता है जो जलमार्ग के द्वारा यात्रा करते हैं ।
Step 2 : Conclusion.
'नाविक' शब्द का सही संयोग 'नाव + इक' है, क्योंकि यह नाव में यात्रा करने वाले व्यक्ति का सूचक है ।

Final Answer :

The correct answer is (C) 'नाव + इक'.

Quick Tip

When defining compound Sanskrit words, ensure that the affix aligns with the meaning of the base word.

(iii) 'दृष्टि' में सही विकल्प है :

(A) अदि परस्म ;
(B) अदि परस्म ;

(C) अदि परस्म ;
(D) अदि परस्म ;

Correct Answer : (A) अदि परस्म

Solution : Step 1 : Understanding 'दृष्टि'.
'दृष्टि' शब्द का अर्थ है देखने की क्रिया या दृष्टिकोण । यह शब्द किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति को देखने और समझने की क्षमता से संबंधित है ।
Step 2 : Explanation.
'दृष्टि' शब्द का सही विकल्प 'अदि परस्म' है, क्योंकि यह शब्द दृष्टि के रूप में किसी को देखने या समझने की क्रिया का संदर्भ देता है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) 'अदि परस्म'.

Quick Tip

In Sanskrit word formation, remember that the context of the word's usage determines the correct affix or prefix combination.

Q12,b. निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का संस्कृत में सही उत्तर दीजिए :

(i) 'आदिवम्' का सटीक-विकल्प है :

Solution : Step 1 : Understanding 'आदिवम्'.
'आदिवम्' संस्कृत का एक शब्द है, जिसका अर्थ 'प्राकृतिक' या 'प्राचीन स्रोत से संबंधित' होता है । यह आदिवासी जीवन और उनके पारंपरिक संसाधनों से जुड़ा हुआ है ।
Step 2 : Explanation.
'आदिवम्' का सही उत्तर 'आदिवम्' है, क्योंकि यह शब्द प्रकृति से जुड़ा हुआ है और इसका संदर्भ आदिवासी जीवन से है ।

Final Answer :

The correct answer is (B) आदिवम्.

Quick Tip

In Sanskrit word identification, analyze both the literal meaning and the context in which the word is used to identify the correct option.

(ii) 'महादेव' का सटीक-विकल्प है :

Solution : Step 1 : Understanding 'महादेव'.
'महादेव' एक प्रसिद्ध संस्कृत शब्द है जो भगवान शिव के लिए प्रयुक्त होता है । यह शब्द भगवान शिव की महिमा और उनके भव्य रूप को व्यक्त करता है ।
Step 2 : Explanation.
'महादेव' शब्द का सही विकल्प 'महादेव' ही है, जो भगवान शिव के सर्वोत्तम रूप को दर्शाता है ।

Final Answer :

The correct answer is (D) महादेव.

Quick Tip

When identifying proper names in Sanskrit, always focus on the historical or religious significance of the term to identify its context.

(iii) 'त्रिनेत्र' का सटीक-विकल्प है :

Solution : Step 1 : Understanding 'त्रिनेत्र'.
'त्रिनेत्र' एक संस्कृत शब्द है जो भगवान शिव से जुड़ा हुआ है । 'त्रिनेत्र' का अर्थ है 'तीन नेत्रों वाला', जो शिव के विशेष रूप में उनका तीसरा नेत्र दर्शाता है ।
Step 2 : Explanation.
'त्रिनेत्र' का सही विकल्प 'शिवजी' है, क्योंकि यह विशेष रूप भगवान शिव का प्रतीक है ।

Final Answer :

The correct answer is (A) शिवजी.

Quick Tip

For identifying divine epithets in Sanskrit, consider the specific traits associated with the deity and their symbolic representations.

Q13. (क)(i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में धातु एवं प्रत्यय बताइए :

(अ) पठनीयः

Solution (अ) :
Step 1 : Understanding the word 'पठनीयः'.
यह शब्द 'पठ्' धातु (अर्थात् पढ़ना) से बना है । इसमें 'ण्यत्' प्रत्यय जुड़ने पर 'पठनीयः' (जो पढ़ा जाने योग्य है) शब्द बनता है ।

Step 2 : धातु एवं प्रत्यय विभाजन.

$$\text{पठनीयः} = \text{पठ्} \ (\text{धातु}) + \text{णीय} \ (\text{प्रत्यय})$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{धातु} = \text{पठ्}, \quad \text{प्रत्यय} = \text{णीय}}$$

Quick Tip

क्रियाओं से बनने वाले भाववाचक या विशेषणवाचक शब्दों में सामान्यतः **ण्यत्** प्रत्यय मिलता है ।

(ब) स्थिता

Solution (ब) :
Step 1 : Understanding the word 'स्थिता'.
यह शब्द 'स्था' धातु (अर्थात् खड़ा होना, स्थित होना) से बना है । इसमें 'क्त' (कृत्-प्रत्यय) जुड़ने पर 'स्थिता' (जो स्थापित है / खड़ी है) शब्द बनता है ।

Step 2 : धातु एवं प्रत्यय विभाजन.

$$\text{स्थिता} = \text{स्था} \ (\text{धातु}) + \text{क्त} \ (\text{प्रत्यय})$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{धातु} = \text{स्था}, \quad \text{प्रत्यय} = \text{क्त}}$$

Quick Tip

'क्त' प्रत्यय का प्रयोग होने पर **भूतकालीन कृदन्त** (past participle) बनते हैं, जैसे गता, स्थितः आदि ।

(स) धनवान्

Solution (स) :
Step 1 : Understanding the word 'धनवान्'.
यह शब्द 'धन' (संज्ञा) + 'मतुप्' प्रत्यय से बना है । 'मतुप्' प्रत्यय लगने पर 'वान्' रूप आता है । अतः 'धनवान्' का अर्थ है 'धन वाला' ।

Step 2 : धातु एवं प्रत्यय विभाजन.

$$\text{धनवान्} = \text{धन (प्रातिपदिक)} + \text{मतुप् (प्रत्यय} \rightarrow \text{वान्)}$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{प्रातिपदिक} = \text{धन}, \quad \text{प्रत्यय} = \text{मतुप् (वान्)}}$$

Quick Tip

मतुप् प्रत्यय से 'वान्' अथवा 'मन्त्' रूप बनता है और यह **संपन्नता या स्वामित्व** को व्यक्त करता है, जैसे धनवान् (धन वाला), गुणवान् (गुण वाला) ।

Q13. (ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में प्रत्यय बताइए :

(अ) गता

Solution (अ) : Step 1 : Understanding the word 'गता'.
यह शब्द 'गम्' धातु (अर्थात् जाना) से बना है । इसमें 'क्त' (कृत् प्रत्यय) जुड़ने पर 'गत' बनता है । स्त्रीलिंग रूप में 'गता' होता है ।

Step 2 : प्रत्यय विभाजन.

$$\text{गता} = \text{गम् (धातु)} + \text{क्त (प्रत्यय)}$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{प्रत्यय} = \text{क्त}}$$

Quick Tip

'क्त' प्रत्यय से बनने वाले शब्द प्रायः **भूतकालीन कृदन्त** (past participles) होते हैं, जैसे गतः, गता, गतं ।

(ब) पठितः

Solution (ब) :
Step 1 : Understanding the word 'पठितः'.
यह शब्द 'पठ्' धातु (अर्थात् पढ़ना) से बना है । इसमें 'क्त' प्रत्यय के साथ 'इट्' आगम जुड़ने पर 'पठितः' (जो पढ़ा गया) बनता है ।

Step 2 : प्रत्यय विभाजन.

$$\text{पठितः} = \text{पठ्} \ (\text{धातु}) + \text{क्त} \ (\text{प्रत्यय})$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{प्रत्यय} = \text{क्त}}$$

Quick Tip

जब 'क्त' प्रत्यय जुड़ता है और 'इट्' आगम आता है, तब शब्द 'पठितः', 'लिखितः' आदि रूपों में बदलता है ।

(स) रूपवान्

Solution (स) :
Step 1 : Understanding the word 'रूपवान्'.
यह शब्द 'रूप' (संज्ञा) + 'मतुप्' प्रत्यय से बना है । मतुप् प्रत्यय का रूप यहाँ 'वान्' है, अतः 'रूपवान्' का अर्थ है 'रूप वाला' ।

Step 2 : प्रत्यय विभाजन.

$$\text{रूपवान्} = \text{रूप} \ (\text{प्रातिपदिक}) + \text{मतुप्} \ (\text{वान् प्रत्यय})$$

Final Answer :

$$\boxed{\text{प्रत्यय} = \text{मतुप्} \ (\text{वान्})}$$

Quick Tip

मतुप् प्रत्यय से 'वान्' अथवा 'मन्त्' रूप बनते हैं और यह स्वामित्व या गुण-संपन्नता को दर्शाता है, जैसे रूपवान्, गुणवान्, धनवान् ।

Q13. (ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रकट विभक्ति तथा सन्धि नियम का उल्लेख कीजिए :

(i) सः राजपुत्रः अस्ति ।
(ii) सुप्रियम् स्त्रैः ।
(iii) सः पाण्डवजः अस्ति ।

Solution (i) : राजपुत्रः
Step 1 : विभक्ति पहचान.
'राजपुत्रः' शब्द 'राजा' + 'पुत्रः' से बना है । यह **प्रथमा विभक्ति, एकवचन, पुंलिङ्ग** है ।

Step 2 : सन्धि नियम.
'राजा + पुत्रः' पर **स्वर सन्धि (अ + प = अप)** हुई है, जिससे 'राजपुत्रः' रूप बना ।

Final Answer :

$$\boxed{\text{विभक्ति = प्रथमा एकवचन, सन्धि = स्वर सन्धि (अ + प)}}$$

Solution (ii) : सुप्रियम्
Step 1 : विभक्ति पहचान.
'सुप्रियम्' शब्द 'सु' (उपसर्ग) + 'प्रिय' से बना है । यहाँ यह **द्वितीया विभक्ति, एकवचन, नपुंसकलिङ्ग** है ।

Step 2 : सन्धि नियम.
'सु + प्रियम्' में **व्यञ्जन सन्धि** है (उपसर्ग + मूल शब्द का संयोग), जिससे 'सुप्रियम्' बना ।

Final Answer :

$$\boxed{\text{विभक्ति = द्वितीया एकवचन, सन्धि = व्यञ्जन सन्धि}}$$

Solution (iii) : पाण्डवजः
Step 1 : विभक्ति पहचान.
'पाण्डवजः' = 'पाण्डव' + 'जः' (सुतः) । यह **प्रथमा विभक्ति, एकवचन, पुंलिङ्ग** है ।

Step 2 : सन्धि नियम.
'पाण्डव + जः' में **व्यञ्जन सन्धि** से 'पाण्डवजः' रूप बना ।

Final Answer :

$$\boxed{\text{विभक्ति = प्रथमा एकवचन, सन्धि = व्यञ्जन सन्धि}}$$

Quick Tip

संस्कृत पदों का विश्लेषण करते समय पहले उसका **विभक्ति रूप** पहचानें, फिर देखें कि पद किस प्रकार (स्वर सन्धि / व्यञ्जन सन्धि / विसर्ग सन्धि) से जुड़ा है ।

Q. 14 निन्द्रलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए ।

(i) विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए बिजलीपतियों को ।
(ii) स्कूल की व्यवस्था को सुधारते हुए विद्यालय निरीक्षक को ।
(iii) अपने घर तक बिजली पहुँचने हेतु प्रार्थना पत्र ।

Solution :
यह प्रश्न पत्र लेखन से संबंधित है । तीनों विकल्पों में से, तीसरे विकल्प पर सबसे उपयुक्त पत्र लिखा जा सकता है, जिसमें हम बिजली की आपूर्ति के लिए संबंधित विभाग से अनुरोध करते हैं ।
(i) विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए बिजलीपतियों को पत्र :
इस पत्र में विद्युत व्यवस्था में सुधार की मांग की जाती है । यह पत्र बिजलीपतियों (बिजली वि-तरण कंपनी) से संबंधित होगा और इसमें बिजली कटौती या अव्यवस्था के कारणों पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई जाएगी ।
(ii) स्कूल की व्यवस्था को सुधारते हुए विद्यालय निरीक्षक को पत्र :
यह पत्र स्कूल की व्यवस्था में सुधार के लिए लिखा जाएगा, जैसे कि स्कूल की सुविधाओं या पाठ्यक्रम की गुणवत्ता पर ध्यान देने का अनुरोध । यह पत्र विद्यालय निरीक्षक को भेजा जाएगा, जो स्कूल की देखरेख करते हैं ।
(iii) अपने घर तक बिजली पहुँचने हेतु प्रार्थना पत्र :
यह पत्र किसी सरकारी कार्यालय या संबंधित विभाग को लिखा जाएगा, जिसमें घर तक बिजली की आपूर्ति की समस्या को हल करने के लिए अनुरोध किया जाएगा । इसमें यह उल्लेख किया जाएगा कि कैसे बिजली की आपूर्ति में असुविधा हो रही है और संबंधित विभाग से इसे शीघ्र सुलझाने की उम्मीद जताई जाएगी ।
Step 1 : पत्र की शुरुआत "संबंधित अधिकारी" या "मान्यवर" से करें । पत्र के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से बताएं ।
Step 2 : समस्या का विवरण दें, जैसे कि आपके घर में बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है या वह बार-बार जाती रहती है ।
Step 3 : समाधान की मांग करें, जैसे कि आपके घर तक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ।
Step 4 : पत्र को उचित सम्मान के साथ समाप्त करें, जैसे "आपकी सहायता के लिए धन्यवाद ।" और "आपका विश्वासपात्र" के साथ ।

Quick Tip

पत्र लिखते समय समस्या और समाधान को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना महत्वपूर्ण है । सुनिश्चित करें कि पत्र विनम्र और सुसंगत हो ।